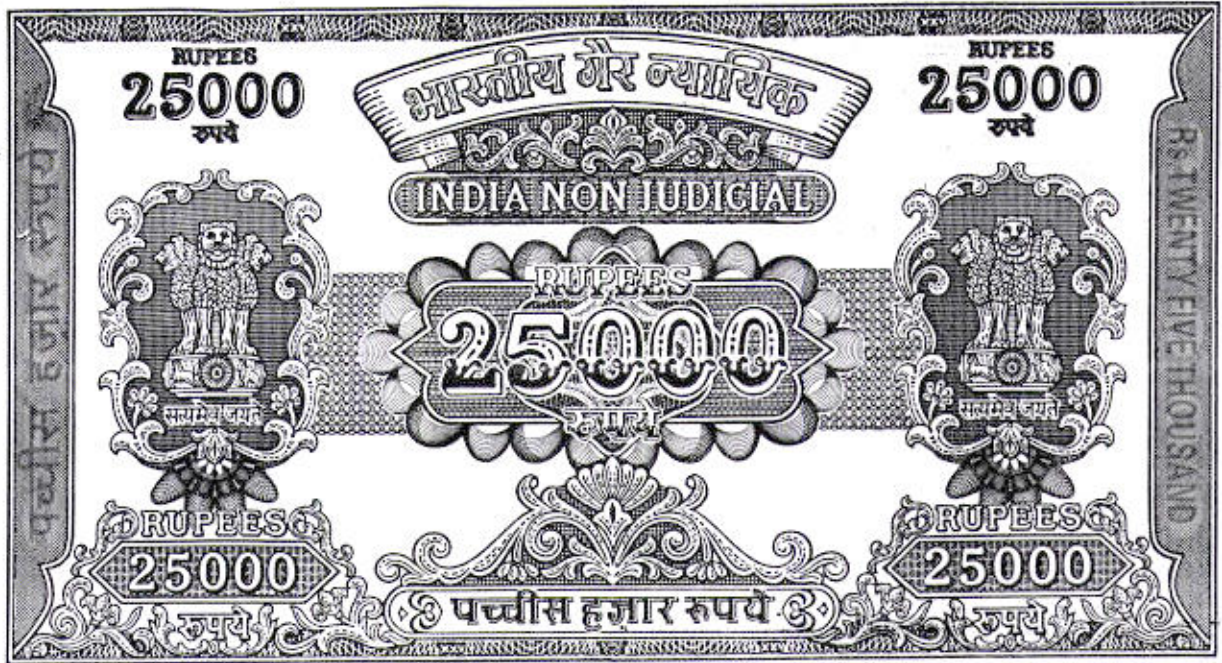
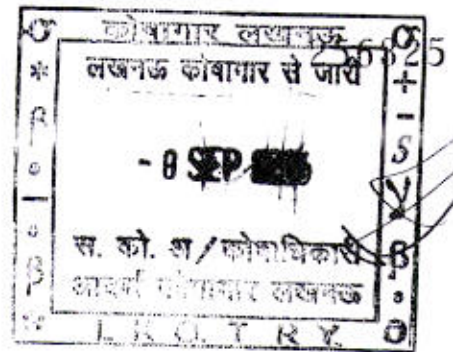


54/101

277/06



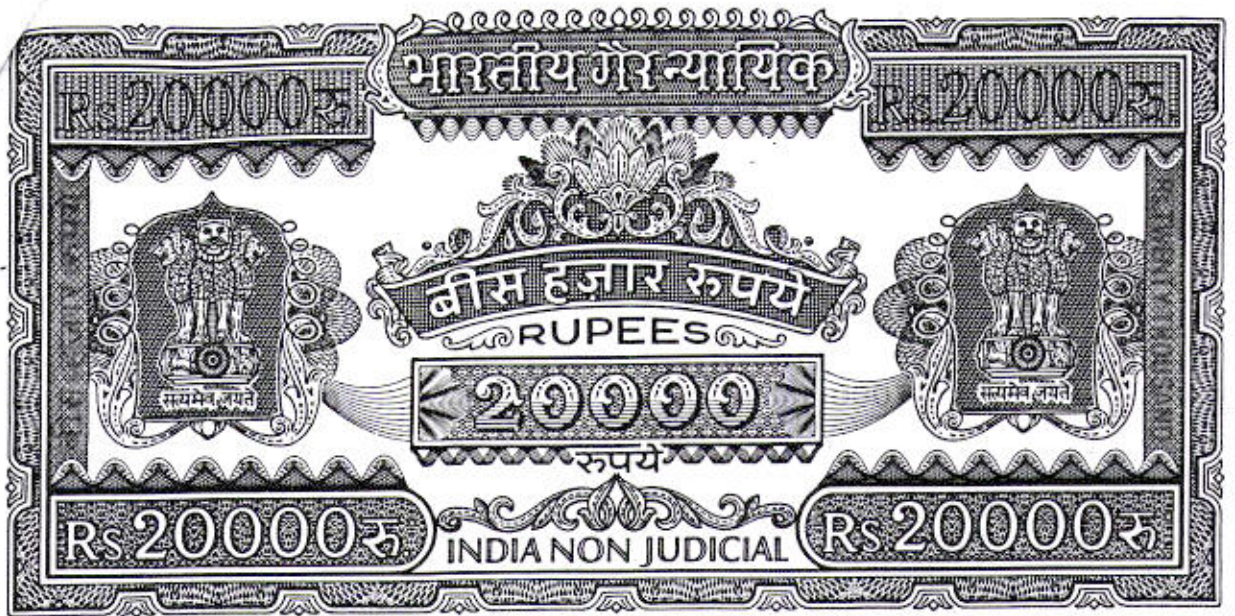
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

विक्रय विलेख

प्रतिफल की धनराशि	-	रु0 4,63,495/-
बाजार मूल्य	-	रु0 2,86,687/-
अदा किये गये जनरल स्टैम्प-		रु0 46,400/-

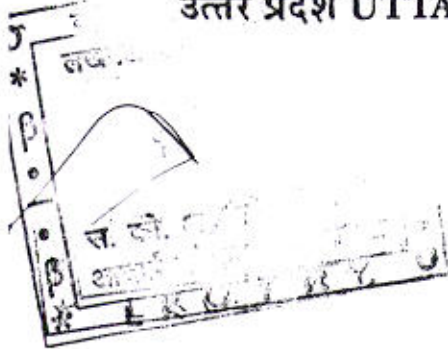
- | | | | |
|----|-------------------|---|---|
| 1. | भूमि का प्रकार | - | कृषि |
| 2. | परगना | - | बिजनौर |
| 3. | ग्राम | - | मुजफ्फरनगर घुसवल |
| 4. | सम्पत्ति का विवरण | - | भू. गे. खसरा संख्या नं0 261 रकबा 0.417 हेक्टेअर का 1/2 भाग अर्थात 0.2085 हेक्टेअर ग्राम- मुजफ्फरनगर |

12 रामबाबू



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

165987



- 2 -

- | | | |
|-----|-----------------------|--|
| | | घुसवल, परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ |
| 5. | मापन की ईकाई | - हेक्टेअर |
| 6. | सम्पत्ति का क्षेत्रफल | - 0.2085 हेक्टेअर |
| 7. | सड़क की स्थिति | - सुल्तानपुर रोड व अमरशहीद पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक |
| 8. | सम्पत्ति का प्रकार | - कृषि |
| 9. | पेड़ों की स्थिति | - कोई पेड़ नहीं है। |
| 10. | बोरिंग/ कुआं अन्य | - कुछ भी नहीं है। |

चौहददी खसरा नं० 261

उत्तर	:	खसरा नं०-262
दक्षिण	:	खसरा नं०-260
पूरव	:	चकरोड

हरी प्रसाद

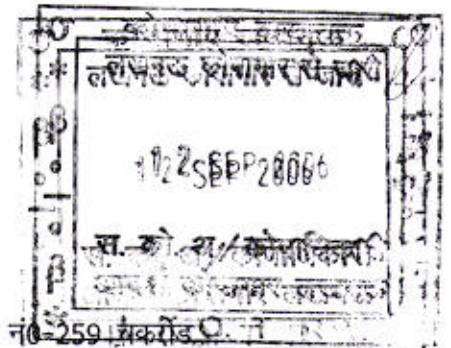
रामबाबू



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B 222464

- 3 -



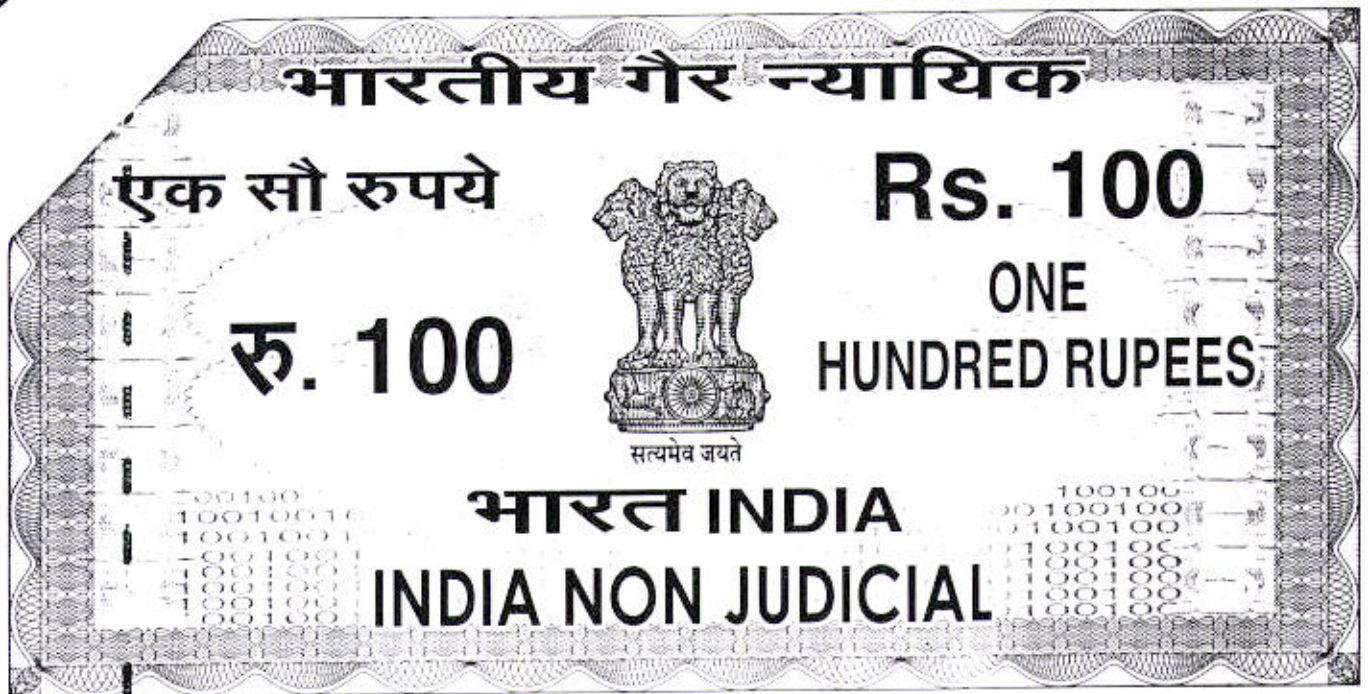
पश्चिम : खसरा नं०-259 अकरोड 0.1

प्रथम पक्ष की संख्या- 1 : द्वितीय पक्ष की संख्या- 1

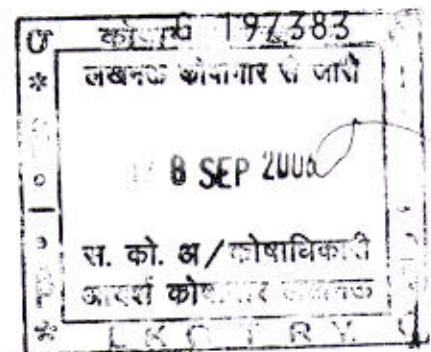
विक्रेता का विवरण	:	क्रेता का विवरण
हरिप्रसाद पुत्र सरजू निवासी ग्राम मुजफ्फरनगर घुसवल, परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ ।	:	रामबाबू पुत्र रामधनी निवासी ग्राम मिर्जापुर भिटारी पो0 नवगोंव, तहसील व जिला फतेहपुर ।
व्यवसाय- कृषि		व्यवसाय- कृषि

हरी 11/14

रामबाबू



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



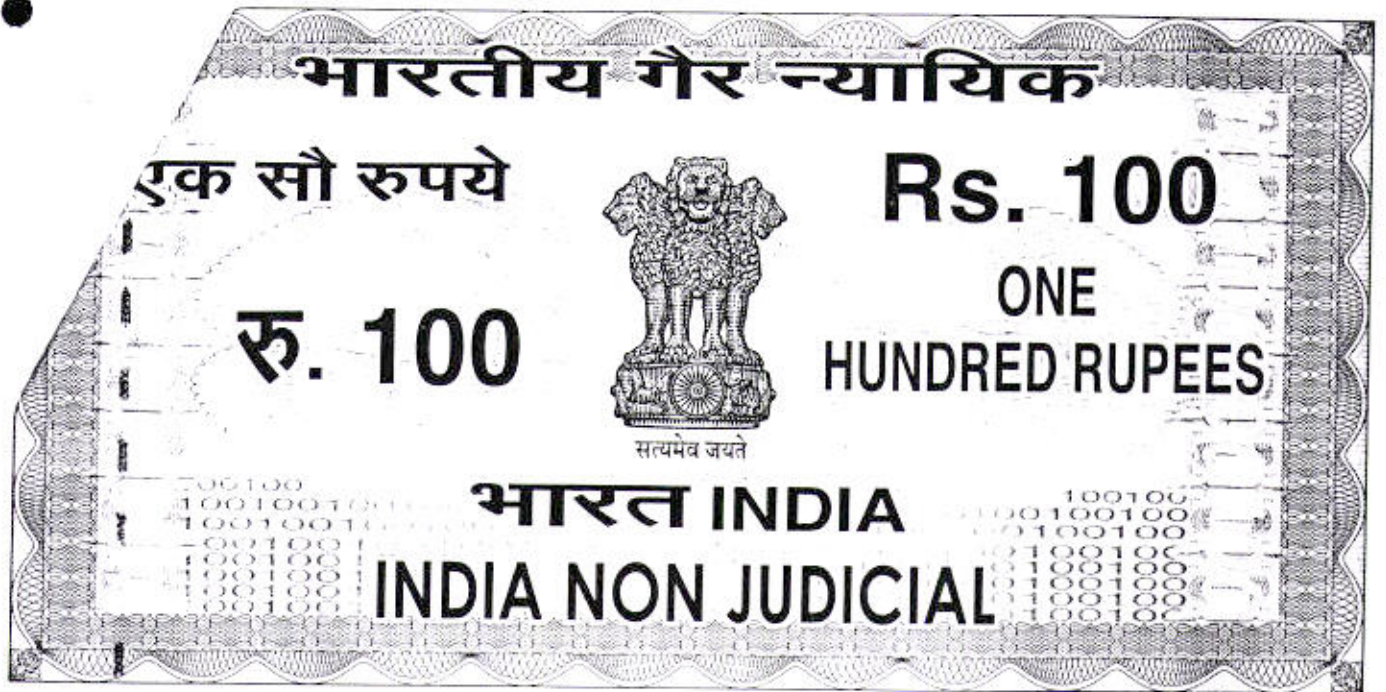
- 4 -

यह विक्रय विलेख हरिप्रसाद पुत्र सरजू निवासी ग्राम मुजफ्फरनगर घुसवल, परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ जिन्हें आगे विक्रेता कहा गया हे एवम् रामबाबू पुत्र रामधनी निवासी ग्राम मिर्जापुर भिटारी पो0 नवगोंव, तहसील व जिला फतेहपुर जिन्हें आगे क्रेता कहा गया है के मध्य निष्पादित किया गया ।

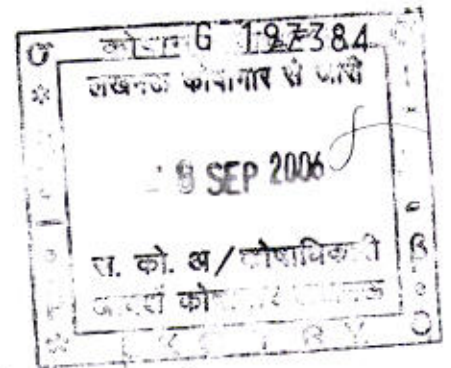
यह कि विक्रेता भूमि खसरा संख्या नं0 261 रकबा 0.417 हेक्टेअर का 1/2 भाग अर्थात् 0.2085 हेक्टेअर ग्राम- मुजफ्फरनगर घुसवल, परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ का मालिक, कामिल व काबिज है तथा

हरी प्रसाद

रामबाबू



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 5 -

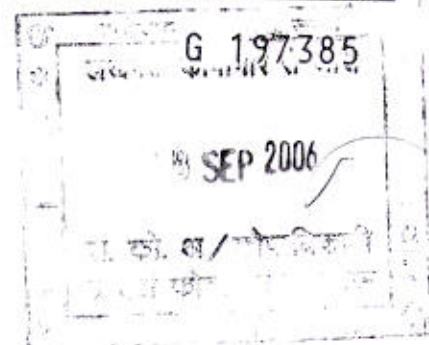
उपरोक्त सत्यापित षटवार्षिक खाता खतौनी क्रम संख्या 00046 के अनुसार भूमि विक्रेता के नाम संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज है और विक्रेता के नाम का अमल दरामद राजस्व अभिलेखों में हो गया है। विक्रेता अपना सम्पूर्ण हिस्सा केता को इस विक्रय विलेख द्वारा विक्रय कर रहा है विक्रेता उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, कामिल व काबिज है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है और उक्त भूमि सरप्लस भूमि का हिस्सा नहीं है। यह कि विक्रेता यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं पाक व साफ है तथा विक्रेता ने उसे इस विक्रय के पूर्व कहीं बय, हिबा, गिरवी या अनुबन्धित इत्यादि नहीं किया है। विक्रेता ने उक्त भूमि पर कृषि

हरी पुपुप

रामबाबू



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 6 -

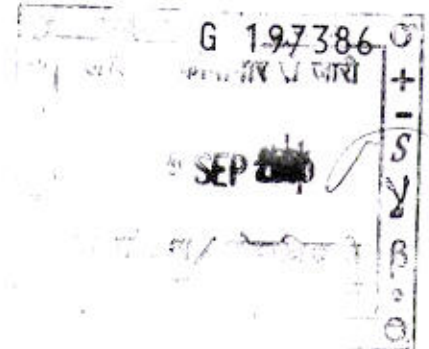
ऋण या अन्य प्रकार का कोई ऋण नहीं लिया है। यदि कोई ऐसा ऋण भविष्य में निकलता है तो उसके जिम्मेदार विक्रेता व उसके वारिसान व विधिक उत्तराधिकारी होंगे। उपरोक्त भूमि या उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्यवाही के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही कुर्क इत्यादि है। विक्रेता के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या दावा इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेता को उक्त विक्रय अन्तरण करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सम्पत्ति के फलस्वरूप कुल विक्रय मूल्य रु0 4,63,495/- के प्रतिफल में जिसका उपरोक्त क्रेता द्वारा विक्रेता की इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार भुगतान कर

हरी प्रसाद





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 7 -

दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेता यहाँ स्वीकार करते हैं, तदनुसार उक्त विक्रेता उक्त क्रेता के हाथ उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विक्रय विलेख के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को कतई बेच दिया है, एवं विक्रेता ने विक्रयशुदा भूमि का मौके पर कब्जा क्रेता को बखूबी करा दिया गया है। अब उक्त आराजी पर विक्रेता तथा उसके वारिसान का कोई अधिकार नहीं है। विक्रेता ने विक्रयशुदा सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिए क्रेता को हस्तान्तरित कर दिया है। अब क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग

हरी प्रसाद



व उपभोग करेंगे । विक्रेता व उसके वारिसान उसमें किसी प्रकार की अड़चन बाधा नहीं डाल सकेंगे एवं न ही कोई मांग कर सकेंगे और यदि विक्रयशुदा सम्पत्ति अथवा कोई भाग विक्रेता के स्वामित्व में त्रुटि के कारण या कानूनी अड़चन या कानूनी त्रुटि के कारण क्रेता या उसके वारिसान निष्पादकगण इत्यादि के कब्जे या अधिकार या स्वत्व से निकल जाये तो क्रेता उसके वारिसान, निष्पादकगण इत्यादि को यह हक होगा कि वह अपना समस्त नुकसान मय हर्जा व खर्चा, विक्रेता की चल, अचल सम्पत्ति से जरिये अदालत वसूल कर लें। उस स्थिति में विक्रेता एवं उसके वारिसान हर्जा व खर्चा देने हेतु बाध्य होगा ।

यह कि विक्रेता यह भी घोषित करता है कि उक्त भूमि लखनऊ विकास प्राधिकरण, लखनऊ तथा उ०प्र० आवास एवं विकास परिषद, लखनऊ तथा अन्य किसी भी सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्था द्वारा अधिग्रहीत नहीं की गयी है और न ही प्रस्तावित है ।

यह कि क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति की दाखिल खारिज राजस्व अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा लें तो विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय विलेख के पूर्व का अगर कोई बकाया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको विक्रेता भुगतान व वहन करेंगे, विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी ।

यह कि उपरोक्त खसरा नम्बर ग्राम मुजफ्फरनगर घुसवल अर्धनगरीय क्षेत्र के अतिविशिष्ट ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सरकिल रेट रू० 13,75,000/- प्रति हेक्टेअर हैं इस प्रकार भूमि की कुल मालियत

हरी 51714

22/2/2014

2,86,687/- होती है तथा विक्रय मूल्य, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रु0 46,400/- जनरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए क्रय की जा रही है। भूमि में कोई पेड़ इमारत आदि नहीं है तथा किसी प्रकार की आवासीय गतिविधियां नहीं चल रही है व कोई नलकूप, कुआं भी नहीं है, तथा 200 मी0 के अर्धव्यास में कोई निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि किसी लिंग मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि सुल्तानपुर रोड से नगर शहीद पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेता एवं क्रेता दोनों अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इस विक्रय विलेख के निबन्धन का समस्त व्यय क्रेता द्वारा वहन किया गया है।

लिहाजा यह विक्रय पत्र विक्रेता ने क्रेता के पक्ष में लिख दिया ताकि सनद रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम आवे।

परिशिष्ट: भुगतान विवरण

1. विक्रेता को रु0 4,63,495/- द्वारा चेक संख्या-131596 दिनांकित 13.09.2006 पंजाब नेशनल बैंक, हजरतगंज लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

हरी पत्ता

13.09.2006

विक्रय पत्र

463,499.00/ 287,000.00

5,000.00 20 5,020.00 1,000

फीस रजिस्ट्री नकल व प्रति शुल्क योग शब्द लगभग

पतिफल मालियत

श्री/श्रीमती हरी प्रसाद

पुत्र/पुत्री श्री सरजू

पेशा कृषि

निवासी ग्वायी मुजफर नगर लखनऊ

अस्थायी पता

ने यह लेखपत्र इस कार्यालय दिनांक 13/9/2006 समय 6:53PM

में निबन्धन हेतु पेश किया।

हरी प्रसाद



36

ए के श्रीवास्तव

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ

13/9/2006

निष्पादन लेखपत्र बाद मूलने व समझने मजमून व प्राप्त धनराशि रु प्रलेखानुसार उक्त

विक्रेता

श्री/श्रीमती हरी प्रसाद

पुत्र/पुत्री श्री सरजू

पेशा कृषि

निवासी मुजफर नगर लखनऊ

हरी प्रसाद



क्रेता

श्री/श्रीमती राम बाबू

पुत्र/पुत्री श्री राम धनी

पेशा व्यापार

निवासी मिर्जा पुर भिटारीफतेह पुर



ने निष्पादन स्वीकार किया।

जिनका पहचान श्री सुनील कुमार

पुत्र श्री टी0 पी0 सिंह

पेशा व्यापार

निवासी जय हिन्द कॉम्प्लेक्स लखनऊ

व श्री राकेश कुमार

पुत्र श्री शिव नारायण

पेशा व्यापार

निवासी अहमा मउ लखनऊ

ने को।

पन्थकन: भद मासियों के निशान अंगुठे नियमानुसार लिये गये हैं।

36



36

ए के श्रीवास्तव

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ

13/9/2006

इस प्रकार विक्रेता को कुल विक्रय मूल्य 4,63,495/- (रुपया चार लाख तिरसठ हजार चार सौ पन्चान्नबे मात्र) क्रेता से प्राप्त हुए जिसकी प्राप्ति विक्रेता स्वीकार करते हैं ।

लखनऊ:

दिनांक : 13.09.2006

गवाह :

1. 

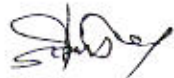
Sunil Kumar S/ Shri T.P. Singh
S-14 Jahind Complex (Lucknow)

विक्रेता

हरी उमा

2.

राजीव कुमार
पुत्र श्री विजयरायन
महाराष्ट्र राज्य अधिकाधिकार आयोग
नियुक्त लखनऊ
टाईपकर्ता



(संजय कुमार सिंह)

3/413, विकास नगर, लखनऊ


क्रेता
रामेश्वर

मसविदाकर्ता



(बैकट रामन सिंह)

एडवोकेट

Registration No. ---

0101 हरी प्रसाद

सरजू

मुजफ्फर नगर लखनऊ

कृषि

विक्रेता

Year : 2006

Book No. 1



30
11/11 30
142
20

डि. ५. रा. १२ बजे
के. १।

जेस्ट्रेशन अधि० 1908 की धारा - 32 ए० के अनुपालन हेतु,
फिंगरस प्रिन्टर्स

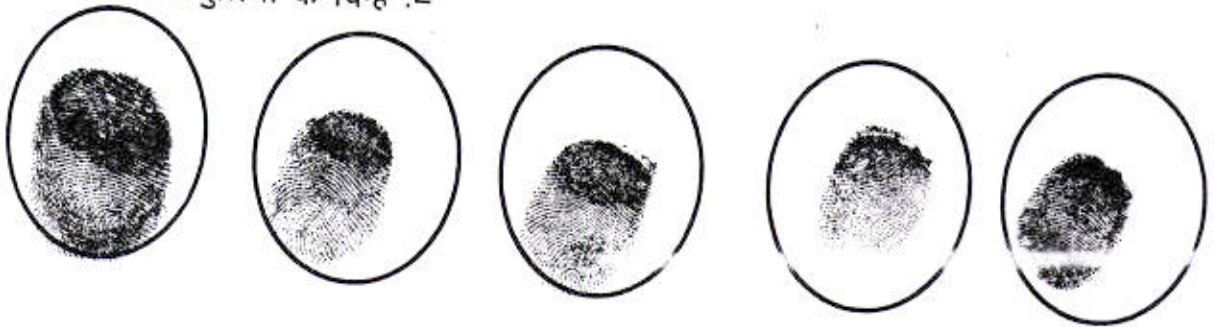
कर्ता/विक्रेता नाम व पता :-

हरिप्रसाद सि० उन्नीस नं० ४५१५

बायें हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-



दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-



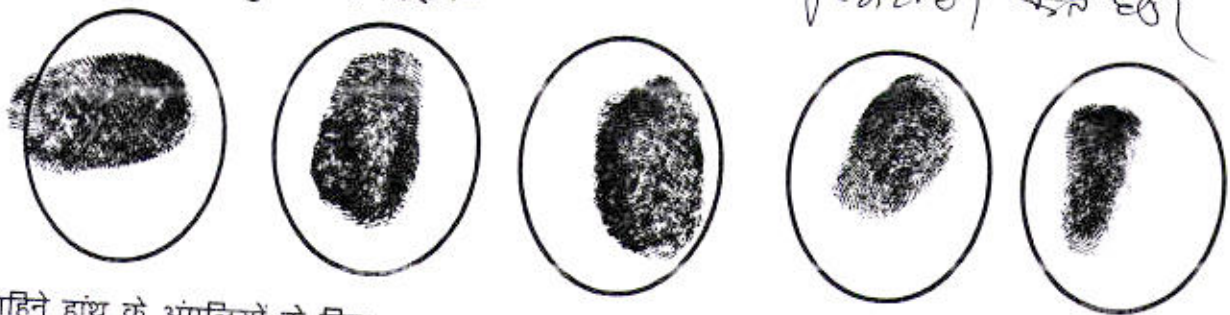
विक्रेता/क्रेता नाम व पता :-

हरिप्रसाद

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

श्री ५५५५
श्री २००००० श्री १०००००
कि० २०००००

बायें हाथ की की अंगुलियों के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

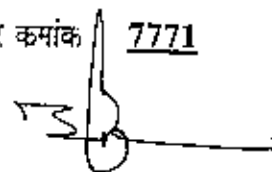
१२/१५
२०००

आज दिनांक 13/09/2006 को

वही सं 1 जिल्द सं 7798

पृष्ठ सं 41 से 64 पर क्रमांक 7771

रजिस्ट्रीकृत किया गया ।



ए के श्रीवास्तव

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ

13/9/2006

